मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में नेताओं पर किए कटाक्ष

देर रात तक जमा काव्य, कभी हास्य तो कभी व्यंग्य के रंग

भास्कर संवाददाता | गंगरार

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शुक्रवार को महाराणा प्रताप केंद्रीय सभागार में एकदिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदन के साथ किया गया। संचालन मुंबई के राष्ट्रीय कवि राज बुंदेली ने किया।

सर्वप्रथम दादरी से आए हास्य कवि देव नागर ने अपनी हास्य कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को खूब हंसाया। इसके बाद गाजियाबाद से आए चेतन आनंद ने गुरु-शिष्य पर एक प्रसंग के सुनाते हुए सामाजिक संदेश दिया। इंदौर के कवि डॉ. गिरेंद्र सिंह प्राण ने मेवाड़ भूमि को नमन करते हुए कहा कि मेवाड़ की धरती की चप्पड़ से ही संपूर्ण राष्ट्र वीरों की भूमि कहलाता ममता पर टिप्पणी की। चित्तौड़गढ़ के कवि नटवर शर्मा ने राष्ट्रीय कवि पंडित नरेंद्र मिश्र द्वारा भेजे गए पत्र एवं उनकी कविता का पाठ कर सभी को भाव विभोर कर दिया। रमेश शर्मा ने गीतों एवं कविताओं में कवियों और उनसे जुड़े पात्रों को केंद्रित किया। हास्य रस के साजन ग्वालियरी ने पूरे सदन में ठहाकों की बहार ला दी। चित्तौड़गढ़ के वीर रस के कवि अब्दुल जब्बार ने रचनाओं से विद्यार्थियों को संदेश देते हुए मेवाड़ के इतिहास पर रचित कविता पाठ किया। अंत में कवि जगदीश जलगला एवं राज बुंदेली ने भी काव्य पाठ किया। मेवाड़ एजुकेशन सोसायटी के चेयरमैन गोविंद गढ़िया, सदस्य राधाकृष्ण गढ़िया, सुनील गढ़िया, प्रेसिडेंट प्रो. थीएन राजशेखरन पिल्लई, निदेशक हरीश गुरनानी, उपनिदेशक शशांक द्विवेदी, ओएसडी विश्वानी, डीन आरके पालीवाल, तिवारी, डीके शर्मा एवं

कवि सम्मेलन का आयोजन

गंगरार। यहां विश्वविद्यालय में बुधवार को महाराणा प्रताप केंद्रीय सभागार में एकदिवसीय राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन का संचालन मुम्बई से आये राष्ट्रीय कवि राज बुंदेली द्वारा कविता द्वारा मेवाड़ की शान से भरे शब्दों के साथ शुरू किया गया। दादरी के हास्य कवि देव नागर ने अपनी हास्य कविताओं के माध्यम से श्रोताओं में उर्जा का संचालन किया। गाजियाबाद कि कवि चेतन आनन्द ने गुरु शिष्य पर प्रसंग सुनाते हुए सामाजिक संदेश दिया। इंदौर के कवि डॉ गिरेन्द्र सिंह प्राण ने कहा कि मेवाड़ की धरती की वजह से ही सम्पूर्ण राष्ट्र वीरों की भूमि कहलाता है। चित्तौड़गढ़ के कवि नटवर शर्मा ने अपनी काव्य पाठ के साथ बहुप्रतिष्ठित राष्ट्रीय कवि पण्डित नरेन्द्र मिश्र द्वारा काव्य सदन को भेजे गए पत्र एवं उनकी कविता का पाठ कर सभी को भाव विभोर कर दिया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय कवि मिश्र स्वास्थ्य कारणो के चलते सम्मेलन में भाग नहीं ले सके। रमेश शर्मा ने अपने गीतों एवं कविताओं में कवियों और उनसे जुड़े पात्रों को केंद्रित किया। माहिर श्री साजन ग्वालियरी ने अपने हास्य काव्य प्रस्तुत किया। चित्तौड़गढ़ के कवि अब्दुल जब्बार ने काव्य रचनाओं द्वारा विद्यार्थियों को संदेश दिया साथ ही उन्होंने मेवाड़ के इतिहास पर रचित अपनी काव्य रचना का पाठ कर सभी को अभिभूत कर दिया। कवि जगदीश जलजला एवं राज बुंदेली ने अपनी कविताओं द्वारा कार्यक्रम के अंतिम दौर को भी ऊर्जामय कर दिया।

गंगरार। कवि सम्मेलन में कविता का पाठ करते कवि।